(आधुनिक भारत)

तृतीय खंड

FOOD FOR THOUGHT

प्रिय अभ्यर्थियों,

'Food for Thought' शीर्षक के अंतर्गत आपको कुछ बिंदुबार मुद्दे दिए जा रहे हैं। इसके पीछे हमारा उद्देश्य है कि आप इन मुद्दों पर विचार करें तथा क्लास नोट्स एवं क्लास लेक्चर के आधार पर इनका उत्तर पाने का प्रयास करें। इन मुद्दों का स्वरूप प्रश्नों से पृथक है, अत: उत्तर लेखन की जरूरत नहीं है। आप से केवल अपेक्षा है कि आप अपनी तैयारी के मध्य सूचनाओं (Informations) से उपर उठकर आलोचनात्मक दृष्टिकोण (Critical Opinion) विकसित करने की ओर अग्रसर हों।

By Manikant Singh

राष्ट्रवाद

- आद्य-राष्ट्रवाद एवं आधुनिक राष्ट्रवाद के बीच क्या अन्तर है?
- भारत में राष्ट्रवाद का उद्भव यूरोप की परिस्थितियों से किस रूप में भिन्न था?
- क्या भारत में राष्ट्रवाद का उद्भव महज भारतीय चेतना पर पाश्चात्य प्रभाव की उपज था?
- 19वीं सदी के भारतीय पुनर्जागरण ने आधुनिक राष्ट्रवाद की पृष्ठभूमि किस प्रकार निर्मित कर दी?
- ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के अन्तर्गत राष्ट्रवाद एवं संप्रदायवाद का विकास समानान्तर रूप में क्यों हुआ?
- 1920 तथा 1930 के दशक में राष्ट्रवाद अधिक समावेशी क्यों हुआ?
- गाँधी जी को इतनी लोकप्रियता क्यों मिली? क्या उन्होंने लोगों के समक्ष आर्थिक-सामाजिक परिवर्तन का कोई व्यापक योजना रखी थी?
- गांधीवाद संपूर्ण भारतीय एवं विश्व राजनीति में क्यों सबसे विशिष्ट हो गया?
- निम्न जाति के नेताओं ने राष्ट्रवाद के समावेशी स्वरूप के विकास में क्या भूमिका निभायी?
- भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन समाजवाद की दिशा में क्यों नहीं मुड़ सका?
- भारत के विभाजन में किन कारकों की भूमिका रही थी?
- क्या विभाजन को टाला जा सकता था?
- भारत की स्वतंत्रता एवं विभाजन में द्वितीय विश्वयुद्ध की कहाँ तक भूमिका रही?

******